C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क,ख,ग,और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7) पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड-क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।[10]

मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है। पठन के द्वारा भी ज्ञान प्राप्ति होती है। पुस्तकालय ज्ञान का ख़जाना हैं। पुस्तकालय का निर्माण दो शब्दों के योग से होता है; पुस्तक+आलय अर्थात् पुस्तकों का घर। यहाँ अनेकों विषयों पर पुस्तकें मिलती हैं, जिनके द्वारा हम अपनी ज्ञान पिपासा शांत कर सकते हैं। प्रत्येक पुस्तक ज्ञान का जलता दीपक है। हमें पुस्तकालयों के नियमों का पालन करते हुए पुस्तकें लेकर उनसे ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। पुस्तकालयों में पढ़ने की भी व्यवस्था होती है। यहाँ के शांत वातावरण में पुस्तकों का अध्ययन करना बड़ा ही अच्छा लगता है। एक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

स्थान पर विभिन्न तरह की पुस्तक सरलता से मिल जाती है। पुस्तकालयों में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक, साहित्य, चिकित्सा संबंधी सभी पुस्तकों को संग्रहित किया जाता है। पुस्तकालय के दो भाग होते हैं; वाचनालय तथा पुस्तकालय। वाचनालय में अखबार, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र-पत्रिकाओं का पठन होता है।

1. पुस्तकालय का क्या अर्थ है?
2. पुस्तकालय में कौन-कौन-सी पुस्तकें संग्रहित होती है?
3. मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्या प्राप्त करना आवश्यक है?
4. पुस्तकालय के कितने और कौन-कौन से भाग होते है?
5. वाचनालय में किनका पठन होता है?
6. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- अँगार
- आह्लाद
- कुमार्ग

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों के उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए।[3]

- कुवारा
- खूटा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

- मेजर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- फन

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- दश
- बद

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों के उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- द्रवित
- ठेकेदार

ख) निम्नलिखित शब्दों के उचित उपसर्ग पहचानिए।

- कुमार
- निडर

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए।

- भूखा
- दुखी

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. तुम क्या पढ़ रहे हो
2. वाह क्या खूब तुमने तो उसकी बोलती ही बंद कर दी
3. ज्यों ज्यों चुनाव समीप आता गया उसका दिल बैठता जाता

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- चरमोत्कर्ष-
- रेखांकित-
- नीरोग-
- सर्वोत्कृष्ट-

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:[2+2+2=6]

1. महादेव भाई अपना परिचय किस रूप में देते थे?
2. पोशाक हमारे लिए कब बंधन और अड़चन बन जाती है?
3. नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा?
4. धर्म के स्पष्ट चिह्न क्या हैं?

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. सम्मिलित अभियान में सहयोग एवं सहायता की भावना का परिचय बचेंद्री के किस कार्य से मिलता है?
2. बहुत ज्यादा सूखे कीचड़ के सौंदर्य का वर्णन करें।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?
2. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?
3. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है?
4. कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है?

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'अग्नि पथ' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।
2. कवि किन बातों से धोखा खा जाता है?

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. 'साँप ने फुफकार मारी या नहीं, ढेला उसे लगा या नहीं, यह बात अब तक स्मरण नहीं' - यह कथन लेखक की किस मनोदशा को स्पष्ट करता है?
2. हामिद को लेखक की किन बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- एक समाजसेवक की आत्मकथा
- यदि हिमालय न होता
- विज्ञापनों का महत्त्व

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. आपके नगर में एक 'विज्ञान-कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला के संयोजक को पत्र लिखकर बताइए कि आप भी इसमें सम्मिलित होना चाहते हैं।
2. आपका भाई अपना अधिकांश समय मोबाइल फोन के उपयोग में बिताता है। मोबाइल फोन के अधिक उपयोग करने से होने वाली हानियों का उल्लेख करते हुए, उसे पत्र लिखिए।

प्र. 12. निम्न दिए गए चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

1.

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2.

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लिखें। [5]

1. दो मित्र के मध्य टिकट एल्बम को लेकर हो रहे संवाद को लिखिए।
2. एक रोगी और वैद्य के मध्य हो रहे संवाद को लिखें।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें।[5]

1. सोन पापड़ी का विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।
2. चप्पल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क,ख,ग,और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7) पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड-क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।[10]

मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है। पठन के द्वारा भी ज्ञान प्राप्ति होती है। पुस्तकालय ज्ञान का ख़जाना हैं। पुस्तकालय का निर्माण दो शब्दों के योग से होता है; पुस्तक+आलय अर्थात् पुस्तकों का घर। यहाँ अनेकों विषयों पर पुस्तकें मिलती हैं, जिनके द्वारा हम अपनी ज्ञान पिपासा शांत कर सकते हैं। प्रत्येक पुस्तक ज्ञान का जलता दीपक है। हमें पुस्तकालयों के नियमों का पालन करते हुए पुस्तकें लेकर उनसे ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। पुस्तकालयों में पढ़ने की भी व्यवस्था होती है। यहाँ के शांत वातावरण में पुस्तकों का अध्ययन करना बड़ा ही अच्छा लगता है। एक स्थान पर विभिन्न तरह की पुस्तक सरलता से मिल जाती है। पुस्तकालयों

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक, साहित्य, चिकित्सा संबंधी सभी पुस्तकों को संग्रहित किया जाता है। पुस्तकालय के दो भाग होते हैं; वाचनालय तथा पुस्तकालय। वाचनालय में अखबार, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र-पत्रिकाओं का पठन होता है।

1. पुस्तकालय का क्या अर्थ है?

   उत्तर : पुस्तकालय का निर्माण दो शब्दों के योग से होता है; पुस्तक+आलय अर्थात् पुस्तकों का घर।

2. पुस्तकालय में कौन-कौन-सी पुस्तकें संग्रहित होती है?

   उत्तर : पुस्तकालयों में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक, साहित्य, चिकित्सा संबंधी सभी पुस्तकों को संग्रहित किया जाता है।

3. मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्या प्राप्त करना आवश्यक है?

   उत्तर : मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है।

4. पुस्तकालय के कितने और कौन-कौन से भाग होते है?

   उत्तर : पुस्तकालय के दो भाग होते हैं; वाचनालय तथा पुस्तकालय।

5. वाचनालय में किनका पठन होता है?

   उत्तर : वाचनालय में अखबार, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र-पत्रिकाओं का पठन होता है।

6. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

   उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए ‘पुस्तकालय’ उचित शीर्षक है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- अँगार- अँ + ग् + आ + र + अ
- आह्लाद- आ + ह् + ल् + आ + द् + अ
- कुमार्ग- क् + उ + म् + आ + र् + ग् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों के उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए। [3]

- कुवारा - कुँवारा
- खूटा - खूँटा

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

- मेजर - मेज़र
- फन - फ़न

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- दश - दंश
- बद - बंद

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों के उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- द्रवित - इत
- ठेकेदार – दार

ख) निम्नलिखित शब्दों के उचित उपसर्ग पहचानिए।

- कुमार - कु
- निडर - नि

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए।

- भूखा - भूख+आ
- दुखी - दुःख+ई

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. तुम क्या पढ़ रहे हो

   उत्तर : तुम क्या पढ़ रहे हो?

2. वाह क्या खूब तुमने तो उसकी बोलती ही बंद कर दी

   उत्तर : वाह! क्या खूब तुमने तो उसकी बोलती ही बंद कर दी।

3. ज्यों ज्यों चुनाव समीप आता गया उसका दिल बैठता जाता
4. उत्तर : ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, उसका दिल बैठता जाता।

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- चरमोत्कर्ष- चरम + उत्कर्ष
- रेखांकित- रेखा + अंकित
- नीरोग- नि : + रोग
- सर्वोत्कृष्ट- सर्व + उत्कृष्ट

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. महादेव भाई अपना परिचय किस रूप में देते थे?

उत्तर : महादेव भाई अपना परिचय गाँधी जी के 'हम्माल' और 'पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर' के रूप में देते थे जिसका अर्थ है-सभी प्रकार के काम सफलता पूर्वक करने वाला।

2. पोशाक हमारे लिए कब बंधन और अड़चन बन जाती है?

उत्तर : जब हमारे सामने कभी ऐसी परिस्थिति आती है कि हमें किसी दुखी व्यक्ति के साथ सहानुभूति प्रकट करनी होती है, परन्तु उसे छोटा समझकर उससे बात करने में संकोच करते हैं। उसके साथ सहानुभूति तक प्रकट नहीं कर पाते हैं। हमारी पोशाक उसके समीप जाने में तब बंधन और अड़चन बन जाती है।

3. नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा?

उत्तर : नजदीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को इतना अच्छा लगा कि वह भौंचक्की रह गई। वह एवरेस्ट ल्होत्से और नुत्से की ऊँचाइयों से घिरी बर्फ़ीली ढेढ़ी-मेढ़ी नदी को निहारती रही।

4. धर्म के स्पष्ट चिह्न क्या हैं?

उत्तर : धर्म के दो स्पष्ट चिह्न हैं - शुद्ध आचरण और सदाचार धर्म।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. सम्मिलित अभियान में सहयोग एवं सहायता की भावना का परिचय बचेंद्री के किस कार्य से मिलता है?

उत्तर : लेखिका के व्यवहार से सहयोग और सहायता का परिचय तब मिलता है जब वे अपने दल के दूसरे सदस्यों को मदद करने के लिए एक थर्मस में जूस और दूसरे में चाय भरने के लिए बर्फीली हवा में तंबू से बाहर निकली और नीचे उतरने लगी। जय ने उनके प्रयास को खतरनाक बताया तो बचेंद्री ने जवाब दिया "मैं भी औरों की तरह पर्वतारोही हूँ, इसलिए इस दल में आई हूँ। शारीरिक रूप से ठीक हूँ इसलिए मुझे अपने दल के सदस्यों की मदद क्यों नहीं करनी चाहिए?" यह भावना उसकी सहयोगी प्रवृत्ति को दर्शाती है।

2. बहुत ज्यादा सूखे कीचड़ के सौंदर्य का वर्णन करें।

उत्तर : जब कीचड़ बहुत सूखकर जमीन जब ठोस हो जाय तब गाय, बैल, पाडे, भैंस, भेड़, बकरे इत्यादि उस पर अपने पदचिह्न अंकित करते हैं। कभी-कभी इसी कीचड़ में जब दो मदमस्त पाडे अपने सींगों से कीचड़ को रौंदकर आपस में लड़ते है, तब नदी किनारे अंकित ये पदचिह्न और सींगों से जो निशान बन जाते हैं, कर्दम लेख में लिखे महिषकुल के भारतीय युद्ध के पूरे इतिहास का भास कराने लगते हैं।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर दण्डित किया गया?

उत्तर : सुखिया के पिता पर मंदिर की चिरकालिक शुचिता को कलुषित करने तथा देवी का अपमान करने का आरोप

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लगाया गया और इस आरोप के अंतर्गत सुखिया के पिता को न्यायालय ले जाया गया और वहाँ न्यायधीश द्वारा सात दिनों के कारावास की सजा सुनाई गई।

2. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?

उत्तर : खुशबू रचते हाथ अपना जीवनयापन बड़ी ही निम्न परिस्तिथियों में करते हैं। खुशबू रचनेवाले हाथ बदबूदार, तंग और नालों के पास रहते हैं। इनका घर कूड़े-कर्कट और बदबू से भरे गंदे नालों के पास होता है यहाँ इतनी बदबू होती है कि सिर फट जाता है। ऐसी विषम परिस्तिथियों में खुशबू रचनेवाले हाथ रहते हैं।

3. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है?

उत्तर : दूसरे पद में 'गरीब निवाजु' ईश्वर को कहा गया है।

4. कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है?

उत्तर : कविता में निम्न प्रकार के हाथों की चर्चा हुई है- उभरी नसों वाले हाथ, पीपल के पत्ते से नए-नए हाथ, गंदे कटे-पिटे हाथ, घिसे नाखूनों वाले हाथ, जूही की डाल से खूशबूदार हाथ, जख्म से फटे हाथ आदि।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'अग्नि पथ' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'अग्नि पथ' कविता कवि 'हरिवंशराय' द्वारा रचित एक प्रेरणादायक कविता है। इस कविता के द्वारा कवि मनुष्य को संघर्षमय जीवन में हिम्मत न हारने की प्रेरणा दे रहा है। कवि जीवन को अग्नि से भरा हुआ मानता है। इस जीवन में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

संघर्ष ही संघर्ष है परंतु मनुष्य को चाहिए कि वह इससे न घबराए, न ही अपना मुँह मोड़े और बिना किसी सहारे की अपेक्षाकर मार्ग में आगे बढ़ते रहे। क्योंकि अंत में ऐसे ही संघर्षशील पुरुषों का जीवन सफल होता है।

2. कवि किन बातों से धोखा खा जाता है?

उत्तर : कवि अपने घर तक पहुँचने के प्रयास में धोखा खा जाता है। कवि अपने घर तक पहूँचने के लिए कुछ निशानियों को याद करता है जैसे- पीपल का पेड़, ढहा हुआ घर, ज़मीन का खाली टुकड़ा, बिना रंग वाले लोहे के फाटक वाला मकान आदि परंतु आज ये सारी निशानियाँ बदलाव के कारण गुम हो चुकी है इसलिए कवि अपना घर खोजने में पुराने और नवीन के बीच तालमेल बैठाने में असफल होने के कारण धोखा खा जाता है।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. 'साँप ने फुफकार मारी या नहीं, ढेला उसे लगा या नहीं, यह बात अब तक स्मरण नहीं' - यह कथन लेखक की किस मनोदशा को स्पष्ट करता है?

उत्तर : यह घटना १९०८ में घटी थी और लेखक ने इसे अपनी माँ को १९१५ में सात साल बाद बताया था। उन्होंने इसे लिखा तो और भी बाद में होगा। अतः उन्हें पूरी घटना का स्मरण नहीं। लेखक ने जब ढेला उठाकर कुएँ में साँप पर फेंका तब टोपी में रखी चिट्ठियाँ कुएँ में गिर गई। यह देखकर दोनों भाई घबरा गए और रोने लगे। लेखक को भाई की पिटाई का डर था। तब उन्हें माँ की गोद याद आ रही थी। अब वह और भी भयभीत हो गए थे। इस

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

वजह से उन्हें यह बात अब याद नहीं कि 'साँप ने फुफकार मारी या नहीं, ढेला उसे लगा या नहीं'।

2. हामिद को लेखक की किन बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था?

उत्तर : लेखक ने हामिद को कहा कि वह बढ़िया खाना खाने मुसलमानी होटल जाते हैं। वहाँ हिंदू-मुसलमान में कोई फर्क नहीं किया जाता है। हिंदू-मुसलमान दंगे भी न के बराबर होते हैं। पाकिस्तान में हिंदू-मुसलिम संबंधों में अंतर था। उनमें बहुत दूरियाँ थी। इसलिए हामिद को लेखक की बातों पर विश्वास नहीं हुआ। वह अपनी आँखों से यह सब देखना चाहता था।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

एक समाजसेवक की आत्मकथा

मैंने अपनी पच्चीस वर्ष की आयु से ही समाजसेवा की शुरुवात कर दी थी। मेरे पिताजी एक प्रसिद्ध समाजसेवक थे, उन्होंने गाँव में लड़कियों के लिए कन्याशाला खुलवाई थी। मैंने भी उनसे प्रेरणा पाकर शोषित महिलाओं की मदद करने के लिए एक संस्था खोली। महिलाएँ यहाँ अपनी समस्याए लेकर आती थी। हमारी संस्था की महिलाए उनकी हिम्मत बढ़ाती, रोजगार दिलाती, उन्हें आत्म निर्भर बनाती ताकि वे एक अच्छा जीवन जी सके। इसके बाद मैंने गरीब लोगों के लिए चिकित्सालय बनवाए, गरीब मजदूरों के लिए रात में प्रौढ़ शिक्षा वर्ग की व्यवस्था की। फिर मैंने कुछ लोगों की सहायता से एक संस्था बनाई जिसके द्वारा कई समाजसेवा के कार्य किए जैसे- अनाथाश्रम बनाना, दहेज़ प्रथा के विरोध में अभियान चलाना, धार्मिक कार्यक्रम, किसानों के लिए भूदान अभियान, नशाबन्दी अभियान।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अब बढ़ती उम्र के साथ यह संभव नहीं की कुछ और सेवा कर पाऊँ किंतु सब को यही संदेश देना चाहूँगा कि जीवन में गरीब और लाचार लोगों की हमेशा मदद करना। इस प्रकार मैंने जीवन भर लोगों की सेवा की। लेकिन दुख इस बात का है कि आज लोग मुझे भूल गए हैं।

यदि हिमालय न होता

हिमालय संस्कृत के 'हिम' तथा 'आलय' शब्दों से मिलकर बना है, जिसका शब्दार्थ 'बर्फ़ का घर' होता है। हिमालय भारत की धरोहर है। यह भारतवर्ष का सबसे ऊँचा पर्वत है। हिमालय हमारा सिर्फ पालक या प्रहरी ही नहीं है। न ही शांति, सुंदरता और रोमांच ही इसके मायने हैं। इन सबसे कहीं आगे हमारे अस्तित्व की सबसे बड़ी जरूरत है हिमालय।

यदि हिमालय न होता तो उत्तर भारत की सुरक्षा कौन निभाता? यदि हिमालय न होता तो गंगा, यमुना, सिन्धु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियाँ कहाँ से निकलती? हिमालय की छाया में एवरेस्ट, लान्स, नंदादेवी आदि इसके मुख्य हिम शिखर हैं। हिमालय भारत का पहरेदार है। यदि हिमालय न होता तो शत्रुओं से हमारी रक्षा कौन करता? हिमालय उत्तर के बर्फीले पवनों को भारत में प्रवेश करने से रोकता है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी पवन हिमालय की ऊँची पर्वत-श्रेणियों से टकराकर भारत में वर्षा करते हैं। यही वर्षा देश को कृषिप्रधान देश बनाती है। इस वजह से भारत को 'सोने की चिड़िया' कहलाने का गौरव प्राप्त हुआ है।

पुराणों के अनुसार हिमालय मैना का पति और पार्वती का पिता है। गंगा इसकी सबसे बड़ी पुत्री है। भगवान शंकर का निवास कैलाश यहीं है। महाभारत के अनुसार पांडव स्वर्गारोहण के लिए यहीं आए थे।

इस तरह हिमालय सदा से भारतीय संस्कृति, इतिहास और गौरव का साक्षी रहा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

विज्ञापनों का महत्त्व

आज के युग में विज्ञापनों का महत्त्व स्वयंसिद्ध है। आज विज्ञापन हमारी ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। सुबह आँख खुलते ही अख़बार में सबसे पहले नज़र विज्ञापन पर ही जाती है। जूते से लेकर रूमाल तक हर चीज विज्ञापित हो रही है। विज्ञापन अपने छोटे से संरचना में बहुत कुछ समाए होते हैं। वह बहुत कम बोलकर भी बहुत कुछ कह जाते है। विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। निर्माता कंपनियों के लिए यह लाभकारी है। विज्ञापन अनेक प्रकार के होते हैं। सामाजिक व्यावसायिक आदि।

विज्ञापन के लाभ की बात करें तो हम यह कह सकते हैं कि आज विज्ञापन ने हमारे जीवनस्तर को ही बदल डाला है। आज विज्ञापन के लिए विज्ञापनगृह एवं विज्ञापन संस्थाएँ स्थापित हो गई हैं। इस प्रकार इसका क्षेत्र विस्तृत होता चला गया। कोई भी विज्ञापन टीवी पर प्रसारित होते ही वह हमारे जेहन में छा जाता है और हम उस उत्पाद के प्रति खरीदने को लालयित हो जाते है।

बाज़ार में आई नई वस्तु की जानकारी देता है। परंतु इस विज्ञापन पर होनेवाले खर्च का बोझ अप्रत्यक्ष रुप से खरीददार पर ही पड़ता है। विज्ञापन के द्वारा उत्पाद का इतना प्रचार किया जाता है कि लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे उत्पादों का अंधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। इन विज्ञापनों में सत्यता लाने के लिए बड़े-बड़े खिलाड़ियों और फ़िल्मी कलाकारों को लिया जाता है। हम इन कलाकारों की बातों को सच मानकर अपना पैसा पानी की तरह बहाते हैं। विज्ञापन हमारी सहायता अवश्य कर सकते हैं परन्तु कौन-सा उत्पाद हमारे काम का है या नहीं ये हमें तय करना चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

विज्ञापन से अनेक लोगों को रोजगार भी मिलता है। यह रोजगार एक विज्ञापन की शूटिंग में स्पॉट ब्वायज से लेकर बाजार में सेल्समेन तक है। अगर कोई कंपनी बाहरी देशों के लिए विज्ञापन बनाती है तो उसे विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है जिससे देश की विदेशी मुद्रा कोष में इजाफा होता है और देश की आर्थिक स्थिति बेहतर बनती है।

विज्ञापन के लाभ व हानि दोनों है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसका लाभ किस तरह ले और हानि से कैसे बचे।

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. आपके नगर में एक 'विज्ञान-कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला के संयोजक को पत्र लिखकर बताइए कि आप भी इसमें सम्मिलित होना चाहते हैं।

सेवा में,

संयोजक

विज्ञान-कार्यशाला,

दिल्ली।

विषय : विज्ञान-कार्यशाला में सम्मिलित होने के लिए पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मुझे आज ही पता चला है कि हमारे शहर के अमर मैदान में एक विज्ञान-कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह हर विज्ञान प्रेमी विदयार्थी का आकर्षण का केंद्र हैं।

मैं महेश शर्मा कक्षा दसवीं का विदयार्थी हूँ। मैं इस विज्ञान कार्यशाला में सम्मिलित होना चाहता हूँ। मैंने मेरे मित्र के साथ मिलकर एक टेलीस्कोप दूरबीन बनाया है। आपकी विज्ञान शाला में आकर दूरबीन में आवश्यक सुधार कर उसे विज्ञान-कार्यशाला में सम्मिलित करना चाहता हूँ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आशा है आप मुझे इसकी अनुमति देंगे। मैं आपका सदैव आभारी रहूँगा।

धन्यवाद सहित।

भवदीय

अमर पांडे

दिनाँक: x-x-20xx

अथवा

2. आपका भाई अपना अधिकांश समय मोबाइल फोन के उपयोग में बिताता है। मोबाइल फोन के अधिक उपयोग करने से होने वाली हानियों का उल्लेख करते हुए, उसे पत्र लिखिए।

सेंट फ्रांसिस छात्रावास

कमरा नं. 21,

गाजियाबाद,

दिनाँक: 24.03.20 xx

प्रिय अजय,

चिरंजीव रहो।

कल ही पिता जी का पत्र प्राप्त हुआ। उस पत्र को पढ़कर पता चला कि तुम अधिकांश समय मोबाइल फोन के उपयोग में बिताते हो। यह उचित नहीं है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो देश का भविष्य पतन के गर्त में गिरता चला जाएगा।

मोबाइल के अधिक उपयोग से समय बर्बाद होता है और कान संबंधी रोग होते हैं मस्तिष्क पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। मोबाइल से उत्पन्न कंपन के कारण मनुष्य का एकांत समाप्त हो गया है। इसलिए हमें चाहिए कि हम इसका प्रयोग अपनी आवश्यकताओं के आधार पर करें न कि दिखावे के लिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम मोबाइल फोन का उचित उपयोग करोंगे। समय का मूल्य समझोगे और उसके सदुपयोग द्वारा अपने जीवन को सफल बनाओगे। माता जी और पिता जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारी बहन,

सीमा

प्र. 12. निम्न दिए गए चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

1.

उपर्युक्त चित्र विद्यालय से संबंधित चित्र है जिसमें बच्चे पाठशाला जाते दिखाई दे रहे हैं। एक पिता ने अपने बच्चे को कंधें पर बैठा रखा है तो दूसरी ओर एक बच्ची अपनी माँ की गोद में जोर-जोर से रो रही है। उसे देखकर ऐसा लगता है मानों वह पाठशाला नहीं जाना चाहती। चित्र में कई अन्य बच्चे भी है जो आपस में बात करते हुए बड़े खुश नज़र आ रहे हैं। कई पाठशाला की ओर अपने दोस्तों के साथ या अकेले ही बढ़ रहे हैं। मानव जीवन का स्वर्णिम काल बचपन ही होता है। बचपन में हम सारी चिंताओं से मुक्त एक अलग की माहौल में विचरण करते हैं। हर समय

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खेलकूद में मस्त जीवन व्यतीत करते हैं। हमारा बचपन मित्र, माता-पिता, भाई-बहनों और आस-पड़ोस के लोगों की धुरी में घिरा होता है।

2.

उपर्युक्त चित्र में हमें एक रेलवे प्लेटफार्म नजर आ रहा है परंतु प्लेटफार्म पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है। रेल की पटरी तक नजर नहीं आ रही हैं। लोग पानी में कहाँ खड़े हैं यह भी समझ नहीं आ रहा है क्योंकि पानी इतना ज्यादा है कि पूरा स्टेशन पानी से भर गया है। कुछ लोग छाता लेकर पटरियों को पार कर रहे हैं स्टेशन पर एक ट्रेन भी खड़ी है। मुंबई में इस प्रकार का दृश्य करीब-करीब हर वर्षा में दिखाई देता है। बरसात के पहले नालों की सफाई ठीक तरह से न होने के कारण पानी का बहाव रुक जाता है जिसके कारण इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ट्रेनें तो मुंबई की लाइफ लाइन मानी जाती है। सस्ता और सुलभ साधन होने के कारण अधिकांश जनता इसी आवागमन के साधन का उपयोग करती है। आम जनता के के लिए ट्रेनों का रुकना अर्थात् गति का रुक जाना होता है। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी होने के कारण एक दिन भी यदि ट्रेन बंद पड़ जाए तो करोड़ों रुपयों का नुकसान होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लिखें। [5]

1. दो मित्र के मध्य टिकट एल्बम को लेकर हो रहे संवाद को लिखिए।

सुरेश : नमस्कार

अमृता : नमस्ते

अमृता : आप कैसे हैं?

सुरेश : मैं बहुत अच्छा हूँ धन्यवाद, और आप?

अमृता : मैं ठीक हूँ। क्या हो रहा है आजकल?

सुरेश : आजकल मैं डाक टिकट इकठ्ठा कर रहा हूँ।

अमृता : टिकट संग्रह करने के क्या फायदे हैं?

सुरेश : ये मेरा शौक़ है।

अमृता : बढ़िया है। क्या तुम इस टिकट अलबम में चिपकाओगे?

सुरेश : हाँ, मैंने टिकट के लिए अलग से अलबम बनाया है।

अमृता : फिर तो तुम्हारे पास सभी देशों का टिकट होंगे।?

सुरेश : हाँ।

अमृता : क्या मैं देख सकती हूँ।

सुरेश : क्यों नहीं? मैं कल लेकर आऊँगा।

अमृता : धन्यवाद।

2. एक रोगी और वैद्य के मध्य हो रहे संवाद को लिखें।

रोगी : (औषधालय में प्रवेश करते हुए) वैद्यजी, नमस्कार!

वैद्य : नमस्कार! आइए, पधारिए! कहिए, क्या हाल है?

रोगी : पहले से बहुत अच्छा हूँ। बुखार उतर गया है, केवल खाँसी रह गयी है।

वैद्य : घबराइए नहीं। खाँसी भी दूर हो जायेगी। आज दूसरी दवा देता हूँ। आप जल्द अच्छे हो जायेंगे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

रोगी : आप ठीक कहते हैं। शरीर दुबला हो गया है। चला भी नहीं जाता और बिछावन पर पड़े-पड़े तंग आ गया हूँ।

वैद्य : चिंता की कोई बात नहीं। सुख-दुःख तो लगे ही रहते हैं। कुछ दिन और आराम कीजिए। सब ठीक हो जायेगा।

रोगी : कृपया खाने को बतायें। अब तो थोड़ी-थोड़ी भूख भी लगती है।

वैद्य : फल खूब खाइए। जरा खट्टे फलों से परहेज रखिए, इनसे खाँसी बढ़ जाती है। दूध, खिचड़ी और मूँग की दाल आप खा सकते हैं।

रोगी : बहुत अच्छा! आजकल गर्मी का मौसम है; प्यास बहुत लगती है। क्या शरबत पी सकता हूँ?

वैद्य : शरबत के स्थान पर दूध अच्छा रहेगा। पानी भी आपको अधिक पीना चाहिए।

रोगी : अच्छा, धन्यवाद! दो दिन बाद फिर आऊँगा।

वैद्य : अच्छा, नमस्कार।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें। [5]

1. सोन पापड़ी का विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

सुहानी सोन पापड़ी

जब मीठे की सताए याद

सुहानी सोन पापड़ी की जागे चाह

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. चप्पल के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

पादुका

पैरों का कम करों रोना ,

पहनकर पादुका जिसका रूप भी है सलोना ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in